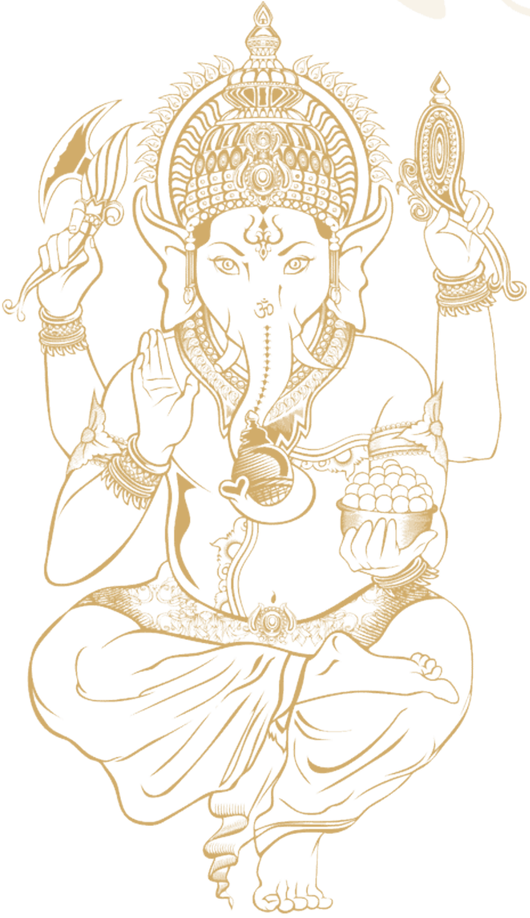

Aaditya

03 Jan 2004

04:45 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121364206

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/01/2004**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:45:00 घंटे**
इष्ट	23:45:06 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:27:12 घंटे
वेलान्तर	-00:04:08 घंटे
साम्पातिक काल	23:16:56 घंटे
सूर्योदय	07:14:57 घंटे
सूर्यास्त	17:29:13 घंटे
दिनमान	10:14:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:29:52 धनु
लग्न के अंश	09:39:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	साध्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:39:07	325:25:24	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			धनु	18:29:52	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	02:47:36	11:46:08	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल			मीन	16:45:31	00:36:36	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध	व		धनु	03:07:38	00:30:24	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु			सिंह	24:59:37	00:00:06	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मक	22:20:17	01:13:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	15:38:19	00:04:57	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	25:23:47	00:01:06	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	25:23:47	00:01:06	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष			कुंभ	06:15:39	00:02:35	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप			मक	17:51:37	00:02:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:40:33	00:02:09	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	24:22:31	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:35

लग्न-चलित

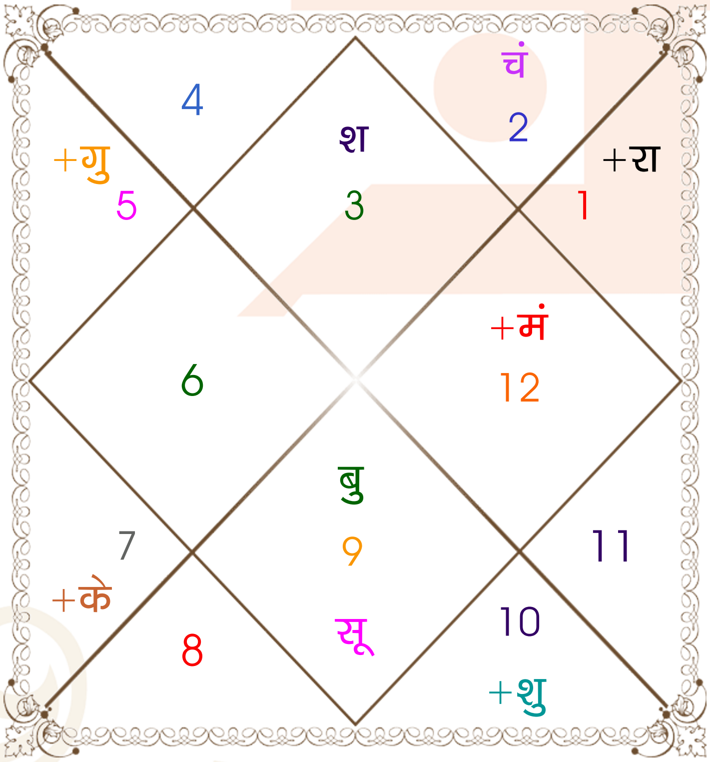

चन्द्र कुंडली

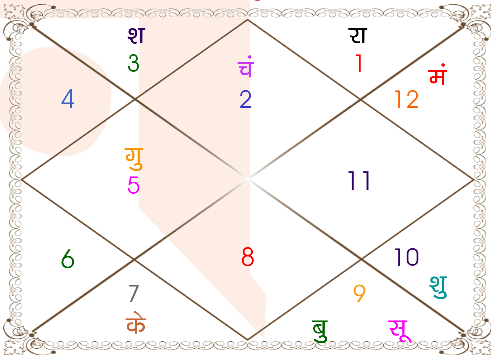

नवमांश कुंडली

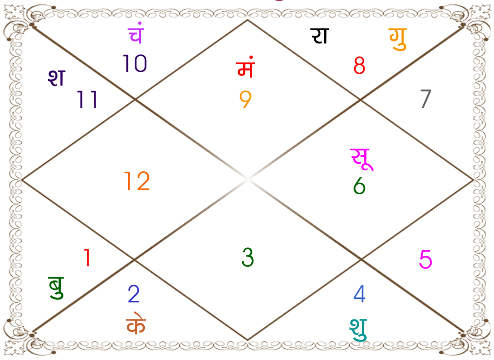

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 2 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
03/01/2004	**02/04/2007**	**01/04/2017**	**01/04/2024**	**01/04/2042**
02/04/2007	**01/04/2017**	**01/04/2024**	**01/04/2042**	**01/04/2058**
00/00/0000	चंद्र 31/01/2008	मंगल 28/08/2017	राहु 13/12/2026	गुरु 20/05/2044
00/00/0000	मंगल 31/08/2008	राहु 16/09/2018	गुरु 08/05/2029	शनि 01/12/2046
00/00/0000	राहु 02/03/2010	गुरु 23/08/2019	शनि 14/03/2032	बुध 08/03/2049
03/01/2004	गुरु 02/07/2011	शनि 01/10/2020	बुध 01/10/2034	केतु 12/02/2050
गुरु 06/02/2004	शनि 30/01/2013	बुध 28/09/2021	केतु 20/10/2035	शुक्र 13/10/2052
शनि 18/01/2005	बुध 02/07/2014	केतु 24/02/2022	शुक्र 19/10/2038	सूर्य 01/08/2053
बुध 25/11/2005	केतु 31/01/2015	शुक्र 26/04/2023	सूर्य 13/09/2039	चंद्र 01/12/2054
केतु 01/04/2006	शुक्र 01/10/2016	सूर्य 01/09/2023	चंद्र 14/03/2041	मंगल 07/11/2055
शुक्र 02/04/2007	सूर्य 01/04/2017	चंद्र 01/04/2024	मंगल 01/04/2042	राहु 01/04/2058

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
01/04/2058	**01/04/2077**	**01/04/2094**	**02/04/2101**	**02/04/2121**
01/04/2077	**01/04/2094**	**02/04/2101**	**02/04/2121**	**00/00/0000**
शनि 04/04/2061	बुध 29/08/2079	केतु 29/08/2094	शुक्र 02/08/2104	सूर्य 21/07/2121
बुध 13/12/2063	केतु 25/08/2080	शुक्र 29/10/2095	सूर्य 02/08/2105	चंद्र 19/01/2122
केतु 21/01/2065	शुक्र 26/06/2083	सूर्य 05/03/2096	चंद्र 03/04/2107	मंगल 27/05/2122
शुक्र 23/03/2068	सूर्य 01/05/2084	चंद्र 04/10/2096	मंगल 02/06/2108	राहु 21/04/2123
सूर्य 05/03/2069	चंद्र 01/10/2085	मंगल 02/03/2097	राहु 03/06/2111	गुरु 04/01/2124
चंद्र 04/10/2070	मंगल 28/09/2086	राहु 20/03/2098	गुरु 01/02/2114	00/00/0000
मंगल 13/11/2071	राहु 16/04/2089	गुरु 24/02/2099	शनि 02/04/2117	00/00/0000
राहु 19/09/2074	गुरु 23/07/2091	शनि 05/04/2100	बुध 01/02/2120	00/00/0000
गुरु 01/04/2077	शनि 01/04/2094	बुध 02/04/2101	केतु 02/04/2121	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 2 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढ़कते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।